किआरा ने पहली बार दिखाई बेटी सरायाह की झलक

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी बेटी सरायाह मल्होत्रा की एक बेहद प्यारी झलक सोशल मीडिया पर साझा की है, जिसने देखते ही देखते इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कियारा एक मैगजीन के पन्ने पलटती नजर आ रही हैं, जिसके कवर पर उनकी खुद की तस्वीर है.

वीडियो में कियारा अपनी बेटी से पूछती हैं, 'क्या तुम मम्मा की मैगजीन पढ़ना चाहती हो?' जैसे ही कियारा की फोटो सामने आती है, नन्ही सरायाह की छोटी-छोटी उंगलियां उस पर थिरकने लगती हैं. हालांकि चेहरा अभी भी रिवील नहीं किया गया है, लेकिन इस छोटी सी झलक ने ही फैंस को दीवाना बना दिया है.

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई 2025 को अपनी बेटी का इस दुनिया में स्वागत किया था. कपल ने नवंबर में अपनी बेटी के नाम 'सरायाह मल्होत्रा' का खुलासा किया था, जिसका अर्थ 'राजकुमारी' होता है. बेटी के जन्म के बाद से ही कियारा ने अपनी सार्वजनिक उपस्थिति काफी कम कर दी है और वे अपना अधिकांश समय अपनी 'मिनी मी' के साथ बिता रही हैं. फैंस लंबे समय से सिद्धार्थ-कियारा की बेटी का चेहरा देखने का इंतजार कर रहे थे, और इस ताज़ा वीडियो ने उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है.

नीना गुप्ता की फिल्म का दमदार पोस्टर रिलीज

लव फिल्म्स ने फिल्म 'वध 2' का दमदार नया पोस्टर रिलीज कर दिया है. छह फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली यह फिल्म एक मजबूत और अपने साथ बांधे रखने वाली कहानी का वादा करती है, जो सोच, नैतिकता और सच की नाजुक परतों को गहराई से छूती है. नए पोस्टर में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक शांत और सोच में डूबे हुए पल में नजर आ रहे हैं.

उनकी गंभीर और ठहरी हुई मौजूदगी इशारा करती है कि कहानी कई नजरियों से बनी है, जहां सच एक जैसा नहीं बल्कि परतों में छिपा है. यह पोस्टर दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि नजरिया, इरादा और विश्वास कैसे बदलते हैं.

लव फिल्म्स के बैनर तले बनी वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म छह फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है.

9 साल की उम्र में टूटा सहारा संगीत ने दिया नया जीवन

एआर रहमान ने 9 साल की उम्र में पिता को खोने के बाद संगीत को अपना सहारा बनाया. संघर्ष, मेहनत और जुनून के दम पर एआर रहमान होम स्टूडियो से ऑस्कर मंच तक पहुंचे.

संगीत की दुनिया में अगर किसी नाम ने भारतीय सुरों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है, तो वह है एआर रहमान. छोटे से होम रिकॉर्डिंग स्टूडियो से लेकर ऑस्कर के मंच तक का उनका सफर संघर्ष, मेहनत और जुनून की मिसाल है. रहमान की कहानी सिर्फ एक संगीतकार की नहीं, बल्कि उस इंसान की है जिसने हालात से हार मानने के बजाय उन्हें अपनी ताकत बना लिया.

एआर रहमान का जन्म 6 जनवरी 1967 को तमिलनाडु में हुआ था. उनका असली नाम एएस दिलीप कुमार था. उनके पिता आर.के. शेखर मलयालम फिल्मों के जाने-माने संगीतकार थे, जिन्होंने बहुत कम उम्र में ही रहमान को पियानो और संगीत की बारीकियां सिखानी शुरू कर दी थीं. लेकिन किस्मत ने जल्द ही कड़ी परीक्षा ली, जब रहमान सिर्फ नौ साल के थे, तब उनके पिता का निधन हो गया. इसके बाद परिवार की आर्थिक हालत बेहद खराब हो गई और घर की जिम्मेदारियां नन्हे रहमान के कंधों पर आ गईं.

हनीमून से हत्या रोंगटे खड़े कर देने वाली ट्रू क्राइम डॉक्यू-सीरीज

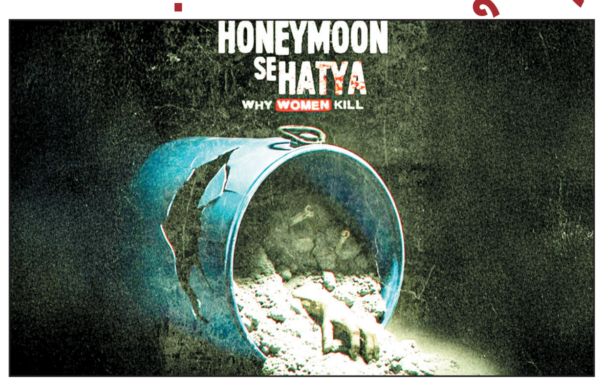

जी5 सबसे बड़ा घरेलू वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, अपनी नई सच्ची अपराध डॉक्यू-सीरीज हनीमून से हत्या के लॉन्च की घोषणा करता है, जो 9 जनवरी 2026 को प्रीमियर होगी.

यह सीरीज असली घटनाओं पर आधारित है, जहां पत्नियों ने अपने पतियों की हत्या की, यह सिर्फ़ सुर्खियों तक सीमित नहीं है, बल्कि एक सवाल उठाती है औरतें हत्या क्यों करती हैं. हनीमून से हत्या उन शादियों की कहानी बताती है, जो शुरुआत में खुशहाल लग रही थीं लेकिन बाद में हिंसा में बदल गई, यह सीरीज उन भावनात्मक, सामाजिक और मानसिक वजहों को समझने की कोशिश करती है, जिनकी वजह से ये महिलाएँ ऐसे काम कर बैठीं, जिसने पूरे देश को चौंका दिया. बिना सनसनी फैलाए या कोई फैसला सुनाए, सीरीज असली घटनाओं को वैसे ही दिखाती है जैसे वो हुई, और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि बंद दरवाजों के पीछे की जटिल हकीकतें क्या हैं.

यह सच्ची अपराध डॉक्यू-सीरीज भारत के कुछ सबसे चौंकाने वाले और चर्चा में रहे मामलों को फिर से सामने लाती है, जैसे मेघालय सोनम राजा रघुवंशी केस, मेरठ ब्लू ड्रम केस, भिवानी इन्फ्लुएंसर केस, मुंबई टाइल केस (नालासोपारा टाइल केस), और दिल्ली इलेक्ट्रिक शॉक केस, जिन्होंने पूरे देश का ध्यान खींचा और व्यापक बहस छेड़ी.

विस्तृत तथ्यात्मक विवरण, घटनाओं का पुनर्निर्माण, साक्षात्कार और पुरालेख सामग्री के माध्यम से, यह सीरीज हर अपराध की पूरी कहानी पेश करती है और भावनात्मक आघात, नियंत्रण, दबाव और निराशा के बार-बार दिखने वाले पैटर्न को उजागर करती है, जो अक्सर तब तक नजर नहीं आते जब तक कोई त्रासदी घटित नहीं होती.

माही विज ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

माही विज और जय भानुशाली के तलाक की खबरें पिछले काफी वक्त से चर्चा में बनी हुई थी. अब शादी के 15 साल बाद कपल ने तलाक की घोषणा कर दी है. इस खबर को सुन उनके फैंस हैरान रह गए हैं. इसी बीच माही ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे देख हर कोई हैरान रह गया.

लेटेस्ट पोस्ट में एक्ट्रेस मस्ती भरे अंदाज में दिखाई दे रही हैं तो वहीं कुछ पोस्ट में उन्होंने कोट शेयर किए हैं. माही का लेटेस्ट पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. माही विज ने इंस्टा स्टोरी पर एक फोटो लगाई है, जिसमें स्ट्रॉबेरी खाती हुई नजर आ रही हैं, जिस पर चॉकलेट लगी है.

एक्ट्रेस ने लिखी मन की बातों-उन्होंने तस्वीर को शेयर करते हुए उस पर गाना लगाया है, 'आईस्क्रीम खाऊंगी कश्मीर जाऊंगी... 'माही ने एक और तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो काफी ग्लैमरस लग रही हैं.तस्वीर में एक्ट्रेस को बैकलेस टॉप और शॉर्ट पहने हुए देखा जा सकता है. माही विज ने इन सबके बीच एक अलग से स्टोरी लगाई है, जिसमें उन्होंने अपने मन की बात लिखी है. मैं यूनिवर्स में विश्वास रखती हूं..' तलाक की घोषणा के कुछ देर बाद ही माही विज ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट. मैं यूनिवर्स में विश्वास रखती हूं..' तलाक की घोषणा के कुछ देर बाद ही माही विज ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट.

पोस्ट में लिखा है, ईश्वर की योजना..मैं यूनिवर्स में विश्वास रखती हूं.' माही विज ने उन लोगों के लिए पोस्ट शेयर किया है जो उनके बच्चों को प्यार करते हैं.

भाबीजी घर पर हैं 2.0 में शिल्पा का डबल धमाका!

एण्डटीवी के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में दर्शकों को मिलने वाला है हंसी और सस्पेंस का जबरदस्त रोलरकोस्टर. शो की कहानी अब एक मज़ेदार लेकिन रहस्यमयी मोड़ ले चुकी है, जहाँ विभूति नारायण मिश्रा (आसिफ शेख), अनीता भाबी (विदिशा श्रीवास्तव), तिवारी (रोहिताश्व गौड़) और अंगूरी भाबी (शिल्पा शिंदे) एक अजीबोगरीब भूतिया उथल-पुथल में फँस जाते हैं. इस पूरे ट्रैक का सबसे बड़ा आकर्षण हैं शिल्पा शिंदे, जो इस बार डबल रोल में नज़र आ रही हैं. वह दर्शकों की चहेती अंगूरी भाबी के साथ-साथ विद्या नाम की रहस्यमयी आत्मा का किरदार भी निभा रही हैं. वही आत्मा, जिसके इर्द-गिर्द तमाम डरावनी और चौंकाने वाली घटनाएँ घट रही हैं. ऐसे में एक बड़ा सवाल सबके मन में उठता है- क्या भाबीजी ही हैं 'मूर्ति वाली भूतनी'?

अपने डबल रोल को लेकर शिल्पा शिंदे कहती हैं, 'घूंघटगंज की कहानी पूरी तरह डबल धमाका है- रहस्य, हास्य और अनपेक्षित मोड़ों से भरपूर. यह कॉमेडी और हॉरर का ऐसा मज़ेदार मेल है, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगा. अंगूरी में एक अलग ही मासूमियत और सच्चाई है, जो हमेशा दर्शकों के दिल से जुड़ जाती है. उसके किरदार में वापस लौटना मेरे लिए ज़िंदगी के एक बेहद खास हिस्से में लौटने जैसा है. इस बार सबसे रोमांचक बात यह है कि मैं अंगूरी भाबी के साथ-साथ विद्या का किरदार भी निभा रही हूँ, अंगूरी अपनी चिर-परिचित भोली और प्यारी छवि में है, जबकि विद्या एक भूत के रूप में कहानी में रहस्य और रोमांच जोड़ती है.

रणवीर सिंह की धुरंधर का जलवा बरकरार

धुरंधर ने 32वें दिन 4.5 करोड़ की कमाई कर इतिहास रच दिया. फिल्म ने 32वें दिन के कलेक्शन में दंगल को पीछे छोड़ा और अब भारत में 776 करोड़ वर्ल्डवाइड 1240 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है. रणवीर सिंह की स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है. रिलीज के 32 दिन पूरे कर चुकी यह फिल्म अब सिर्फ एक ब्लॉकबस्टर नहीं, बल्कि हिंदी सिनेमा के इतिहास में दर्ज होने वाली फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है. 5 जनवरी 2026, यानी अपने पांचवें सोमवार को भी फिल्म ने शानदार कमाई कर यह साबित कर दिया कि दर्शकों का प्यार अब भी बरकरार है.

सिंगल पापा' लौटेगा सीजन 2 के साथ

वही प्यारा-सा परिवार, नए-नए मोड़, जीजी की अनोखी परवरिश और भावनाओं से भरी कई नई कहानियाँ - सीजन 2 में हर एहसास और भी खूबसूरती से देखने को मिलेगा भारत और दुनिया भर में लोगों का दिल जीतने के बाद, नेटफ्लिक्स की पसंदीदा फैमिली कॉमेडी 'सिंगल पापा' अब सीजन 2 के साथ वापस आ रही है. इस बार कहानी में और ज़्यादा भावनाएँ होंगी, ज़्यादा हँसी होगी और गहलोत परिवार की हमें और भी मज़ेदार मस्ती देखने को मिलेगी. कुणाल केमू की दमदार एक्टिंग से सजी 'सिंगल पापा' में उन्होंने गौरव गहलोत का किरदार निभाया है. यह सीरीज़ एक सिंगल पिता की ज़िंदगी को सच्चे, भावनात्मक और मनोरंजक अंदाज़ में दर्शाती है. जहाँ परिवार, बच्चों की परवरिश और रोज़मर्रा की छोटी-छोटी उलझनें देखने को मिलती हैं. इस शो की खासियत इसकी शानदार स्टार कास्ट भी रही, जिसमें प्राजक्ता कोली, मनोज पाहवा, आयशा रज़ा, नेहा धूपिया, सुहैल नय्यर, दयानंद शेट्टी, आयशा अहमद, अंकुर राठी और ईशा तलवार शामिल हैं. इन सभी की बेहतरीन एक्टिंग ने गहलोत परिवार की दुनिया को और भी प्यारा, मज़ेदार और भावनाओं से भरा बना दिया.

मसाला नहीं मुनाफे की फसल है हल्दी

हल्दी की खेती भारत में प्राचीन समय से होती आ रही है और आज के समय में यह एक नकदी फसल के रूप में किसानों के लिए आय का मजबूत साधन बन चुकी है. औषधीय गुणों, मसाला उद्योग और सौंदर्य उत्पादों में बढ़ती मांग के कारण हल्दी की खपत लगातार बढ़ रही है.

महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर हल्दी की खेती की जाती है. कम बारिश वाले क्षेत्रों में भी यह फसल अच्छी पैदावार देती है, जिससे किसान इसे सुरक्षित विकल्प मानते हैं. अगर लागत की बात करें तो एक हेक्टेयर हल्दी की खेती पर औसतन 60 से 80 हजार रुपये तक का खर्च आता है. इसमें बीज (कंद), खेत की तैयारी, खाद-उर्वरक, निराई-गुड़ाई, सिंचाई और मजदूरी का खर्च शामिल होता है.

सबसे अधिक खर्च बीज पर आता है, जो लगभग 25 से 30 हजार रुपये तक हो सकता है. जैविक या उन्नत तरीके से खेती करने पर लागत थोड़ी बढ़ती है, लेकिन बाद में इसका लाभ भी ज्यादा मिलता है. उत्पादन के लिहाज से हल्दी की फसल काफी लाभदायक मानी जाती है. सामान्य तौर पर एक हेक्टेयर से 200 से 250 क्विंटल कच्ची हल्दी प्राप्त होती है. सूखने के बाद यह मात्रा घटकर लगभग 45 से 60 क्विंटल रह जाती है.

सोयाबीन की खेती किसानों की आय का मजबूत सहारा

सोयाबीन भारत की प्रमुख तिलहनी फसलों में से एक है, जिसे 'पीली क्रांति' की रीढ़ भी कहा जाता है. मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में इसकी बड़े पैमाने पर खेती होती है. कम समय में तैयार होने वाली यह फसल न केवल किसानों को नकद आमदनी देती है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी सहायक है.

सोयाबीन में प्रोटीन की मात्रा अधिक होने के कारण इसकी मांग देश और विदेश दोनों बाजारों में बनी रहती है. अगर लागत की बात करें तो एक हेक्टेयर सोयाबीन की खेती पर औसतन 20 से 30 हजार रुपये तक खर्च आता है. इसमें बीज, जुताई, बुवाई, खाद-उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी शामिल है. उन्नत किस्म के बीजों पर लगभग 4 से 5 हजार रुपये खर्च होते हैं. वहीं, खाद और दवाइयों पर 6 से 8 हजार रुपये तक का खर्च आता है. बारिश पर निर्भर खेती होने के कारण सिंचाई का खर्च कई इलाकों में कम रहता है, जिससे कुल लागत नियंत्रित रहती है.

उत्पादन की बात करें तो सामान्य परिस्थितियों में एक हेक्टेयर से 12 से 18 क्विंटल तक उपज प्राप्त हो जाती है. यदि मौसम अनुकूल हो और किसान आधुनिक तकनीकों जैसे बीज उपचार, संतुलित खाद और समय पर खरपतवार नियंत्रण का उपयोग करें, तो उत्पादन 20 क्विंटल तक भी पहुंच सकता है. बाजार में सोयाबीन का औसत भाव 4,500 से 5,500 रुपये प्रति क्विंटल के बीच रहता है. इस हिसाब से किसान को एक हेक्टेयर से 60 से 90 हजार रुपये तक की सकल आय हो सकती है. लागत घटाने के बाद शुद्ध लाभ लगभग 30 से 60 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तक निकल आता है. यही कारण है कि सोयाबीन को लाभकारी फसल माना जाता है. इसके अलावा, सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों को मूल्य सुरक्षा प्रदान करता है.

सोयाबीन की खेती किसानों के लिए एक फायदे का सौदा है, बशर्ते वे मौसम की जानकारी, वैज्ञानिक सलाह और बाजार के रुझान को ध्यान में रखकर खेती करें. बदलते समय में सोयाबीन न केवल किसानों की आय बढ़ाने का साधन है, बल्कि देश की खाद्य तेल आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है.

पशुपालन का लाभकारी मॉडल बना भेड़ पालन

भेड़ पालन भारत में पशुपालन का एक महत्वपूर्ण अंग है और ग्रामीण किसानों के लिए आय का भरोसेमंद साधन माना जाता है. कम लागत में शुरू होने वाला यह व्यवसाय उन क्षेत्रों में भी सफल है, जहाँ खेती सीमित या कम उपज वाली होती है. भेड़ पालन से किसानों को ऊन, मांस और मेमनों की बिक्री से नियमित आमदनी मिलती है. बढ़ती आबादी और मांस व ऊन की मांग के कारण इसका बाजार लगातार मजबूत बना हुआ है.

भेड़ पालन की सफलता के लिए सबसे पहले अच्छी नस्ल का चयन जरूरी है. स्थानीय जलवायु के अनुसार नस्ल चुनने से रोग कम लगते हैं और उत्पादन बेहतर होता है. भेड़ों के रहने के लिए साफ, सूखा और हवादार बाड़ा होना चाहिए. बाड़े की फर्श ऊँची और पानी निकासी वाली होनी चाहिए ताकि नमी न रहे. नियमित सफाई से बीमारियों का खतरा कम होता है.

भेड़ों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार बहुत जरूरी है. हरा चारा, सूखा भूसा, दाना और खनिज मिश्रण सही मात्रा में देना चाहिए. साफ पीने का पानी हर समय उपलब्ध रहना चाहिए. चराई के दौरान भेड़ों को जहरीली घास से बचाना जरूरी है. समय-समय पर पशु चिकित्सक की सलाह से टीकाकरण और कृमिनाशक दवाएँ देने से रोगों से बचाव होता है. सर्दियों में भेड़ों की विशेष देखभाल की जरूरत होती है. ठंड से बचाने के लिए बाड़े को हवा से सुरक्षित रखना चाहिए और रात में बिछावन के लिए सूखी पुआल या भूसा डालना चाहिए. अत्यधिक ठंड में कमजोर और छोटे मेमनों को अलग रखकर अतिरिक्त देखभाल करनी चाहिए.

कुल मिलाकर, वैज्ञानिक तरीके से किया गया भेड़ पालन किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है. उचित देखभाल, सही प्रबंधन और बाजार की समझ के साथ यह व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है.

पालक : रोगों से बचाव और सेहत के लिए वरदान

पालक सर्दियों में मिलने वाली सबसे पौष्टिक हरी सब्जियों में से एक है, जिसे सेहत का खजाना कहा जाता है. ठंड के मौसम में शरीर को अधिक ऊर्जा, रोग प्रतिरोधक क्षमता और पोषण की जरूरत होती है, जिसे पालक आसानी से पूरा करता है. इसमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए, सी, के फोलेट और फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. सर्दियों में ताजा पालक आसानी से उपलब्ध होता है और इसका सेवन शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है.

ठंड के मौसम में पालक का सेवन विशेष रूप से फायदेमंद माना जाता है क्योंकि यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है. इसमें मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट सर्दी-जुकाम, खांसी और वायरल संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं. पालक शरीर को गर्म रखने में भी सहायक होता है और मौसम बदलने से होने वाली थकान व कमजोरी को दूर करता है. नियमित सेवन से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है.

पालक खून की कमी यानी एनीमिया के रोगियों के लिए बेहद लाभकारी है. इसमें मौजूद आयरन हीमोग्लोबिन बढ़ाने में सहायक होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है. महिलाओं, बच्चों और किशोरों के लिए पालक का सेवन खास तौर पर फायदेमंद माना जाता है.

इसके साथ ही पालक में मौजूद फोलेट दिमागी विकास और कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है. हड्डियों और जोड़ों के लिए भी पालक बहुत उपयोगी है. इसमें कैल्शियम और विटामिन के भरपूर मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और जोड़ों के दर्द में राहत पहुंचाते हैं. सर्दियों में अक्सर जोड़ों की समस्या बढ़ जाती है, ऐसे में पालक का नियमित सेवन लाभ देता है. यह बढ़ती उम्र में हड्डियों की कमजोरी से भी बचाव करता है.

पालक आंखों और त्वचा के लिए भी अत्यंत लाभकारी है. इसमें मौजूद विटामिन ए आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है और रात में कम दिखने की समस्या से बचाता है. वहीं, एंटीऑक्सीडेंट तत्व त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और जवान बनाए रखने में सहायक होते हैं. पालक पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देता है.

कुल मिलाकर, सर्दियों में पालक का सेवन सेहत के लिए बेहद खास और फायदेमंद है. यह कई रोगों से बचाव करता है और शरीर को स्वस्थ, मजबूत व ऊर्जावान बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है.